A–1235

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-101

(भारतीय ज्ञान परम्परा में ब्रह्माण्ड एवं काल विवेचन)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सौर परिवार के स्वरूप को विस्तार से वर्णित कीजिए।
2. निहारिका से आप क्या समझते हैं ? इसके स्वरूप को व्याख्यायित कीजिए।
3. आधुनिक ब्रह्माण्डोत्पत्ति के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
4. प्राच्य एवं पाश्चात्य कालमान में अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. पृथ्वी की स्वरूप का वर्णन विस्तार से कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उपग्रह को परिभाषित कीजिए।
2. शुक्र के भौतिक स्वरूप का उल्लेख कीजिए।
3. उल्कापिण्ड से आप क्या समझते हैं ?
4. कल्प से आप क्या समझते हैं ?
5. तारा एवं तारका पुंज का परिचय दीजिए।
6. सावन मास को परिभाषित कीजिए।
7. मनु और मन्वन्तर में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए।
8. तिथि शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ को स्पष्ट कीजिए।

****